Cx – परमेश्वर का चुना हुआ सेवक मत्ती १२:१५-२१ और मरकुस ३:७-
१२ | 1

– Save This Page as a PDF–

परमेश्वर का चुना हुआ सेवक

मत्ती १२:१५-२१ और मरकुस ३:७-१२

खोदाई: फरीसी द्वारा खुद को मारने की धमकियों पर प्रतिक्रिया करते हुए, प्रभु ने भविष्यवाणी को कैसे पूरा किया? येशुआ की पहचान के बारे में उसने क्या कहा? मसीहा को देखने और सुनने के लिए लोग कितनी दूर तक यात्रा कर रहे थे? लोग क्यों आ रहे थे? क्या येशुआ को इससे कोई फर्क पड़ा? क्यों या क्यों नहीं? उसने कितनों को ठीक किया? उसकी असली पहचान किसने पहचानी?

चिंतन: खतरे के सामने यीशु का उदाहरण या साहस और दृढ़ विश्वास आपको कैसे प्रेरित करता है? अन्य लोगों को मसीह के बारे में बताने में, आप तानाख का क्या उपयोग करते हैं? वह कौन सा तरीका है जिससे प्रभु ने आपके जीवन को ठीक किया है? आपको येशुआ के पास मदद के लिए आने के लिए क्या प्रेरित करता है? पीड़ित नौकर के साथ रहने के लिए आपको कितनी दूर यात्रा करनी होगी?

बाइबल मसीहा को कई उपाधियाँ देती है, और कोई भी मेरे सेवक से अधिक उपयुक्त नहीं है, यह उपाधि पहली बार यशायाह द्वारा उपयोग की गई थी (यशायाह Hp पर मेरी टिप्पणी देखें – यहाँ मेरा सेवक है, जिसे मैं समर्थन देता हूँ)। जैसा कि भविष्यवक्ता ने मेशियाच के आने की भविष्यवाणी की थी, येशुआ आश्चर्य और महिमा के साथ दिव्य सेवक के रूप में आया, जो पिता और मानव जाति की सेवा कर रहा था।

यह संक्षिप्त मार्ग टकराव के सागर में ताज़ा सुंदरता का एक द्वीप है, जो फरीसियों और टोरा-शिक्षकों के नेतृत्व में मसीह की पहली बड़ी अस्वीकृति को दर्ज करता है। विवाद का मुख्य बिंदु मौखिक कानून था (देखें Ei – मौखिक कानून)। पाखण्डी रब्बी द्वारा सब्बाथ के बारे में उनकी अशास्त्रीय मान्यताओं को उजागर करने के बाद, फरीसी बाहर चले गए और हेरोदियों के साथ साजिश रचने लगे कि वे यीशु को कैसे मार सकते हैं (मरकुस ३:६)। हालाँकि, उस बढ़ते विरोध के बीच में, हम अपने उद्धारकर्ता की कुछ उत्कृष्ट विशेषताओं को सीखते हैं जिनसे दुनिया नफरत करती है लेकिन ईश्वर बहुत प्यार करते हैं।

यह जानकर कि फरीसियों ने उसे मारने की साजिश रची, यीशु तुरंत सब्त के दिन उस स्थान से चला गया। वह अपनी इच्छा नहीं बल्कि अपने पिता की इच्छा पूरी करने आया था (यूहन्ना ५:३० और ६:३८), और यह पुत्र की सेवकाई और जीवन को समाप्त करने का पिता का समय नहीं था। तब तक येशुआ उपदेश और उपचार के निरंतर चक्र में रहेगा, कुछ लोगों

Cx – परमेश्वर का चुना हुआ सेवक मत्ती १२:१५-२१ और मरकुस ३:७-
१२ | 2

द्वारा स्वीकार किया जाएगा लेकिन अधिकांश (विशेष रूप से फरीसियों) द्वारा अस्वीकार किया जाएगा और फिर दूसरी जगह वापस चला जाएगा। जैसे-जैसे उनका मंत्रालय आगे बढ़ा, प्रसव पीड़ा की तरह, चक्र छोटे और छोटे होते गए क्योंकि विरोध अधिक तेजी से और अधिक तीव्रता से आया।

उन्हें आराधनालय छोड़ना पड़ा। ऐसा नहीं था कि वह डर के कारण पीछे हट गया; यह उस व्यक्ति का पीछे हटना नहीं था जो परिणाम भुगतने से डरता था। जब समय आया, यीशु ने बिना किसी शिकायत या प्रतिरोध के अपनी गिरफ्तारी, परीक्षण और सूली पर चढ़ने को स्वीकार कर लिया – हालाँकि किसी भी समय वह आसानी से खुद को बचा सकता था और उन लोगों को नष्ट कर सकता था जो उसे नष्ट करना चाहते थे। लेकिन ऐसा वर्षों बाद होगा। अंतिम संघर्ष के समय से पहले उसे बहुत कुछ करना और कहना था। इसलिये वह आराधनालयों को छोड़कर झील और खुले आकाश की ओर निकल गया।

प्रभु और उनके अनुयायी गलील सागर की ओर चले गए और एक बड़ी भीड़ उनके पीछे हो ली। येशुआ के मसीहाई दावों में रुचि बढ़ती जा रही थी। उनकी प्रतिष्ठा न केवल यहूदी क्षेत्र में, बल्कि अन्यजातियों के बीच भी फैल रही थी। जब उन्होंने सुना कि वह क्या कर रहा है, तो बहुत से लोग यहूदिया, यरूशलेम, इदुमिया और जॉर्डन के पार और सूर और सीदोन के आसपास के क्षेत्रों से उसके पास आए (मत्ती १२:१५ए; मरकुस ३:७-८)। कई लोगों ने उनकी बात सुनने और उनसे ठीक होने के लिए येरुशलायिम से यहूदिया तक सौ मील की यात्रा की। शब्द बड़ा, पोलू, सशक्त स्थिति में है, और इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित करता है कि यह असाधारण रूप से बड़ी भीड़ थी।

जिन लोगों को यीशु ने ठीक किया था, उन्हें फरीसियों और टोरा-शिक्षकों, साथ ही सदूकियों (पुरोहित वर्ग) द्वारा तिरस्कृत और उपेक्षित किया गया था, जिसे ईश्वर ने अपने लोगों को अपने करीब लाने के साधन के रूप में स्थापित किया था। धार्मिक नेताओं की रुचि केवल अमीरों और प्रभावशाली लोगों में थी, बीमारों, गरीबों या बहिष्कृतों में नहीं। जैसे कि सूखे हाथ वाले व्यक्ति के मामले में (देखें Cw – यीशु ने कटे हुए हाथ से एक व्यक्ति को ठीक किया), उसकी पीड़ा में उनकी एकमात्र रुचि मसीहा पर आरोप लगाने के लिए सब्बाथ तोड़ने के लिए उसे प्रेरित करने के साधन के रूप में उपयोग करना था और उसे दोषी ठहराओ. दूसरी ओर, यीशु के पास हमेशा उन लोगों के लिए समय था जो पीड़ित और जरूरतमंद थे।

Cx – परमेश्वर का चुना हुआ सेवक मत्ती १२:१५-२१ और मरकुस ३:७-
१२ | 3



प्रभु ने कई लोगों को ठीक किया जो मुक्ति के लिए
उन पर विश्वास भी नहीं करते थे, केवल उपचार के लिए बेताब थे। एक अवसर पर उसने जिन दस कोढ़ियों को शुद्ध किया, उनमें से केवल एक, एक सामरी, ने धन्यवाद देने के लिए लौटकर विश्वास का प्रमाण दिखाया। मसीहा के शब्द: उठो और जाओ, तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें अच्छा कर दिया है (लूका १७:१९), मोक्ष के माध्यम से मनुष्य के आध्यात्मिक उपचार को संदर्भित करते हैं, न कि कुष्ठ रोग से उसके शारीरिक उपचार को, जो पहले ही हो चुका था। सभी दस कोढ़ी शारीरिक रूप से ठीक हो गए, लेकिन केवल एक ही आध्यात्मिक रूप से ठीक हुआ।

मसीह उस दर्द को महसूस करता है जो हमें पीड़ा पहुँचाता है और बोझ का बोझ महसूस करता है जो हमें पीसता है; और अपनी कृपा से वह हमारे दुखों को ठीक करता है और हमारे बोझ को उठाता है। उसने कहा: हे सब थके हुए और बोझ से दबे हुए लोगों, मेरे पास आओ, मैं तुम्हें विश्राम दूंगा। मेरा जूआ अपने ऊपर ले लो और मुझसे सीखो क्योंकि मैं दिल से नम्र और नम्र हूं, और तुम अपनी आत्मा में आराम पाओगे। क्योंकि मेरा जूआ सहज और मेरा बोझ हलका है (मत्ती ११:२८-३०)। फरीसी, सदूकी और टोरा-शिक्षक, जो इज़राइल के झूठे चरवाहे थे (यिर्मयाह २३), ने केवल भारी बोझ डाला था, लेकिन जब सच्चा चरवाहा इज़राइल के पास आया, तो उसने उन्हें उठा लिया। इसीलिए पतरस हमसे कहता है कि हम अपना बोझ और चिंताएँ मुख्य चरवाहे पर डाल दें, क्योंकि वह आपकी परवाह करता है (प्रथम पतरस ५:४ और ७)।

भीड़ के कारण उसने अपने प्रेरितों से कहा कि वे मछली पकड़ने वाली एक छोटी नाव, मूल रूप से एक नाव, उसके लिए तैयार रखें, ताकि लोगों को भीड़ से बचाया जा सके क्योंकि बीमार लोग उसे कुचलने के लिए आगे बढ़ रहे थे (मरकुस ३:९-१०)। कुचलने की क्रिया एपिपिप्टो है, जिसका अर्थ है गिरना। उसके आस-पास के लोग चंगा होने की हताशा में उसके विरुद्ध गिर पड़े; ऐसा लगता था कि चमत्कार-कार्यकर्ता के अलावा उन्हें यीशु में कोई दिलचस्पी नहीं थी। दृश्य अवश्य ही अराजक रहा होगा. यीशु अनियंत्रित भीड़ के साथ रहे क्योंकि उन्हें उनकी ज़रूरत थी, लेकिन उन्होंने खुद को बचाना ज़रूरी समझा। इसलिए, उसे किनारे के करीब एक छोटी सी नाव की जरूरत थी, ताकि वह तुरंत उसे उतार सके। क्रिया निरंतर क्रिया दर्शाती है। नाव तटरेखा के नीचे आगे बढ़ने में सक्षम थी।

Cx – परमेश्वर का चुना हुआ सेवक मत्ती १२:१५-२१ और मरकुस ३:७-
१२ | 4

यीशु ने उन सभी को चंगा किया जो बीमार थे। महासभा द्वारा उसकी आगामी अस्वीकृति की प्रत्याशा में, उसने उन्हें दूसरों को उसके बारे में न बताने की चेतावनी दी (मत्तीयाहु १२:१५बी-१६)। ऐसा नहीं है कि नौकर पूरी तरह से शांत हो जाएगा, फिर भी यह स्पष्ट था कि वह बिंदु जल्द ही आ रहा था जहां वह सामान्य रूप से इज़राइल राष्ट्र और विशेष रूप से महान महासभा को यह समझाने की कोशिश करना बंद कर देगा कि वह वास्तव में मेशियाच था (देखें) En – मसीह के मंत्रालय में चार कठोर परिवर्तन)।

मत्ती ने उल्लेख किया कि उन लोगों के लिए यह मंत्रालय जो इज़राइल की भूमि के बाहर से आए थे, यशायाह ४२:१-४ की पूर्ति थी। अन्यजाति राष्ट्र उसकी ओर मुड़ेंगे और धन्य आशा में अपना विश्वास रखेंगे। यह भविष्यवक्ता यशायाह के माध्यम से कही गई बात को पूरा करने के लिए था (यशायाह Hp पर मेरी टिप्पणी देखें – यह मेरा सेवक है, जिसका मैं समर्थन करता हूं)। यशायाह ने कहा, यह मेरा दास है जिसे मैं ने चुन लिया है, जिस से मैं प्रेम रखता हूं, जिस से मैं प्रसन्न हूं। ग्रीक शब्द पेस नौकर के लिए सामान्य शब्द नहीं है और अक्सर इसका अनुवाद बेटा किया जाता है। धर्मनिरपेक्ष ग्रीक में इसका प्रयोग विशेष रूप से घनिष्ठ नौकर के लिए किया जाता था जिस पर बेटे की तरह भरोसा किया जाता था और प्यार किया जाता था। सेप्टुआजेंट में, तानाख का ग्रीक अनुवाद, पैस का उपयोग इब्राहीम के मुख्य सेवक (उत्पत्ति २४:२), फिरौन के शाही सेवकों (उत्पत्ति ४१:१० और ३८) और कोणों को ईश्वर के अलौकिक सेवकों (अय्यूब 4:१८) के रूप में किया जाता है। मैं अपना आत्मा उस पर डालूंगा; और वह अन्यजातियों को न्याय का समाचार देगा। वह न झगड़ा करेगा, और न धूम मचाएगा; और न बाजारों में कोई उसका शब्द सुनेगा। वह कुचले हुए सरकण्डे को न तोड़ेगा; और धूआं देती हुई बत्ती को न बुझाएगा, जब तक न्याय को प्रबल न कराए। और अन्यजातियां उसके नाम पर आशा रखेंगी। (मत्ती १२:१७-२१)।

जिन लोगों ने यीशु को देखा – वास्तव में उसे देखा – वे जानते थे कि कुछ अलग था। उनके स्पर्श से अंधे भिखारियों को दृष्टि प्राप्त हुई। उनके आदेश पर अपंग पैर मजबूत हो गए और चलने लगे। उनके आलिंगन में खाली जीवन दर्शन से भर गए।

उसने एक टोकरी से हजारों लोगों को खाना खिलाया। उन्होंने एक आदेश से तूफ़ान को शांत कर दिया। उसने एक ही उद्घोषणा से मुर्दों को जिलाया। उन्होंने एक अनुरोध से जिंदगियां बदल दीं। उन्होंने एक जीवन से दुनिया का इतिहास बदल दिया, एक देश में रहे, एक चरनी में पैदा हुए और एक पहाड़ी पर मरे। . .

परमेश्वर ने वह किया जो हम सपने में भी नहीं सोच सकते। उसने वो किया जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते थे. वह एक आदमी बन गया ताकि हम उस पर भरोसा कर सकें। वह एक बलिदान बन गया ताकि हम उसे जान सकें। और उसने मृत्यु का बचाव किया ताकि हम उसका अनुसरण कर सकें।

Cx – परमेश्वर का चुना हुआ सेवक मत्ती १२:१५-२१ और मरकुस ३:७-
१२ | 5

यह तर्क को झुठलाता है। यह एक दैवीय पागलपन है. एक पवित्र अविश्वसनीयता.

केवल तर्क की सीमा से परे एक निर्माता ही प्रेम का ऐसा उपहार दे सकता है।

जबकि कुछ रब्बी टिप्पणीकार इस और अन्य पीड़ित सेवक अंशों को समग्र रूप से इज़राइल राष्ट्र से जोड़ने का प्रयास करते हैं (यशायाह Iy पर मेरी टिप्पणी देखें
– पीड़ित सेवक की मृत्यु), कई अन्य स्रोत यह स्वीकार करते हुए असहमत हैं कि यह मार्ग पूरी तरह से लागू होता है आने वाले मसीहा के लिए (टार्गम योनाटन, रब्बी डेविड किम्ची)। यह सच है, क्योंकि सफ़रिंग सर्वेंट अनुच्छेदों का बारीकी से अध्ययन इस बात की पुष्टि करता है कि ऐसे कई परिणाम हैं जिन्हें केवल मेशियाक (राष्ट्रीय इज़राइल नहीं) पूरा कर सकता है (उदाहरण के लिए, पापों का प्रायश्चित और अन्यजाति राष्ट्रों की ओर से विश्वास)। येशुआ के जीवन में उन घटनाओं के एक प्रत्यक्षदर्शी के रूप में, मत्ती यह दिखाने के लिए यशायाह प्रमाण-पाठ का उपयोग करता है कि यीशु का मंत्रालय जल्द ही राष्ट्रीय से व्यक्तिगत मुक्ति पर जोर देने की भविष्यवाणी की गई बदलाव से गुजरेगा।

कुछ लोग ऐसे मित्रों या रिश्तेदारों को लेकर आए जो दुष्टात्मा से ग्रस्त थे, इस आशा में कि यीशु उन्हें बचा सकते हैं। जब भी अशुद्ध आत्माएँ उसे देखतीं, वे उसके सामने गिर पड़तीं। क्रिया अपूर्ण काल में है, जो निरंतर क्रिया की ओर इशारा करती है। राक्षसों ने बार-बार अपने आप को उसके सामने गिरा दिया। और उन्होंने चिल्लाकर कहा, “तू परमेश्वर का पुत्र है” (मरकुस ३:११)। एक बार फिर क्रिया अपूर्ण है. वे चिल्लाते रहे. शैतानी दुनिया की सभी गहरी, कर्कश, अनियंत्रित आवाज़ें भयानक लग रही होंगी। यह तथ्य कि उन्होंने गवाही दी कि येशुआ ईश्वर का पुत्र है, त्रिमूर्ति के बारे में उनके ज्ञान और स्वीकृति को दर्शाता है।

परन्तु उसने उन्हें सख्त आदेश दिया कि वे दूसरों को उसके बारे में न बताएं (मरकुस ३:१२)। वह दुष्टात्माओं की गवाही स्वीकार नहीं करेगा। यह सचमुच विडम्बना है कि राक्षसों ने यीशु को परमेश्वर के पुत्र के रूप में पहचान लिया, जबकि बड़ी भीड़ और यहूदी धार्मिक नेताओं ने ऐसा नहीं किया।

एक अच्छा रहस्यमय उपन्यास दिलचस्प विवरण प्रदान करता है जो तब तक उलझता और उलझता रहता है जब तक पाठक लगभग उलझन में न पड़ जाए। यही वह बिंदु है जिस पर एक अच्छा कहानीकार रुकता है; अधिक विवरण जोड़ने के बजाय, कहानी में जासूस सबूतों पर विचार करने के लिए बैठ जाता है। इससे पाठकों को अपने विचार एकत्र करने का मौका मिलता है
– जो ज्ञात है उसे आत्मसात करने और आने वाले नए विवरणों के लिए तैयार होने का।

मार्क, प्रमुख कथाकार, हमें चिंतन के लिए समय देने के लिए इस बिंदु पर रुके हैं। पिछले अध्यायों में, हमने यीशु को एक के बाद एक बीमारी से पीड़ित लोगों को ठीक करते देखा है। मसीहा बाहर गए और अपने पहले प्रेरितों को भर्ती किया, लेकिन जल्द

Cx – परमेश्वर का चुना हुआ सेवक मत्ती १२:१५-२१ और मरकुस ३:७-
१२ | 6

ही, लोगों की भीड़ उनके पास आ रही थी। वहाँ वह दिलचस्प छोटा सा रहस्य था जो तब खुल गया जब येशुआ ने राक्षसों को भगाया। वे जानते थे कि वह कौन था, परन्तु परमेश्वर के पुत्र ने उन्हें बोलने नहीं दिया (मरकुस १:२३-२६)। मार्क ने अपने पाठकों का ध्यान खींच लिया था।

रुचि अपने आप में पर्याप्त नहीं थी; हालाँकि, मार्क के पास भी पहुँचाने के लिए एक संदेश था। उन्होंने किसी भी अधिक विवरण या कहानियों के साथ आगे बढ़ने से पहले मेशियाच के बारे में कुछ सामान्य बिंदु स्थापित किए।

सबसे पहले, यीशु की जबरदस्त अपील थी। यदि आप मानचित्र पर उन शहरों और क्षेत्रों को चिह्नित करते हैं जहां से लोग आ रहे थे (मरकुस ३:८), तो आप देखेंगे कि गलील से रब्बी को सुनने के लिए सभी दिशाओं से भीड़ आ रही थी। वह केवल कुछ स्थानीय रब्बी नहीं थे जिनके पास टैल्मिडिम के थोड़े से अनुयायी थे। उन्होंने हर क्षेत्र और जीवन के हर क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित किया।

दूसरा, हर किसी को खुद तय करना था – यह आदमी कौन है? उसमें ऐसा क्या विशेष है कि राक्षसों को उसकी पहचान घोषित करने की अनुमति नहीं है? मार्क हमें सुराग देना जारी रखेंगे, लेकिन वह चाहते थे कि इस बिंदु पर और उनके पूरे सुसमाचार में उनके श्रोता इस प्रश्न पर विचार करें, वह था, “यीशु कौन हैं?”

आइए आज उस चिंतन के लिए समय निकालें जिसका मार्क ने इरादा किया था। यदि आप नाज़रेथ के यीशु की महानता और दिव्यता के बारे में पूरी तरह से आश्वस्त नहीं हैं, तो आज मसीह के जीवन के साक्ष्य के बारे में प्रार्थना करने के लिए समय निकालें। जो लोग प्रतिबद्ध आस्तिक हैं, रुआच हाकोडेश को आपसे अधिक गहराई से बात करने की अनुमति देने के लिए कुछ समय लें। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप येशुआ के कितने करीब आ गए हैं, उसकी उपस्थिति हमेशा बदलाव और नवीनीकरण की मांग करती है। टपके हुए बर्तनों की तरह, हमें लगातार आत्मा के जीवित जल से भरने की आवश्यकता होती है।

प्रभु येशुआ, मैं अपना हृदय खोलता हूं कि आप मुझसे बात करें। चाहे आप मेरे निजी जीवन में बदलाव के लिए बुला रहे हों, या मुझे अपने परिवार, चर्च, मसीहाई आराधनालय, समुदाय या राष्ट्र में सेवा के लिए बुला रहे हों, आप जहां भी जाएं, मैं आपका अनुसरण करना चाहता हूं। आमीन